ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 29 संख्या 1, 2, 3 मुंबई जनवरी से सितम्बर 2012

1. अनुसंधान

गोवा के पास से जाईंट ग्रुपर

11 फरवरी 2012 को गोवा के पास 52 मी. की गहराई में फिश ट्रॉल एम. एफ वी सागरिका द्वारा एक नर जाईंट ग्रुपर ईपिनइफिलयस लैनसियोलाट्स ब्लॉच, (1790) का नमुना पकडा गया। पूरी समुद्री यात्रा के दौरान 175 से.मी. कुल लम्बाई एवं 110 किलो भार का जाईंट ग्रुपर पकड़े गये नमूनों में सबसे बडा नमूना था। जाइंट ग्रूपर नदी के मुहाने, कोरल रीफ, केव एवं रीक में पाई जानेवाली हड्डी वाली मछलियों में सबसे बड़ी मछली मानी जाती है। उथले पानी में इनका पाया जाना सामान्य है एवं यह पाया गया है कि ये 270 सें. मी. एवं 400 किलो भार तक वृद्धि करती है । इस नमूना का पूरे पेट के एक चौथाई हिस्से में आधा पचा हुआ मछली के अंग थे । नमूना के आँत का विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि जाईंट ग्रुपर खाने की आदत में पिसीवोरस होते है। हॉलाकि फरवरी की समुद्री यात्रा के दौरान पकड़ में मुख्य रूप से रिब्बन फिश पाई गई, यह विशेष मछली की पकड़ एक एकक प्रजाति पकड़ थी । इस पेर्च के साथ अन्य कोई प्रजातियाँ नहीं पकडी गई ।

[श्री ए. एस. कदम, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई मुख्यालय द्वारा सूचित]

काकीनाड़ा के पास यलोफिन टूना की बम्बर पकड़

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई से जुडे मोनोफिलामेंट लाँग लाईनर, एम एफ वी मत्स्य दृष्टि ने 16 उत्तरी अक्षांश एवं 82ओ पूर्वा देशान्तर में यलोफिन टूना, थुनुस ऐलबकेरस (बोनाटेरी, 1788) की भरपूर पकड़ दर्ज की । सितम्बर 2012 माह के दौरान पोत ने अपने दो दिनों के मत्स्यन प्रचालन में 1240 से 1680 मी. की गहराई सीमा के भीतर 1260 हुकों का प्रचालन किया । यलोफिन टूना के लिये दर्ज किया गया 3.49 का हुकिंग दर क्षेत्र में प्रजातियों की प्रचुरता को इंगित करता है । टरबिड (सेची डिस्क रीडिंग 15 मी) एवं हरे ग्रे रंग का पानी जो कि गोदावरी नदी के पानी के बहाव के कारण हो सकता है पानी के स्तंभ की उत्पादकता को इंगित करता है । हुकिंग की गहराई 70-90 मी. के बीच थी । थर्मोक्लाइन लेयर में हुकिंग गहराई की अधिक निकटता एवं पानी के कॉलम की उत्पादक प्रकृति बढ़े हुए हुकिंग दर का कारण हो सकती है । पकडी गई यलोफिन टूना में अधिकतम किशोर अवस्था में थी एवं 50-99 से. मी . की आकार सीमा में थी । यलोफिन टूना के अतिरिक्त दो छोटी टूना, यूथिनियस एफनिस केनटोर 1849 दो कोबिया राचेसेंट्रोन केनाडम लिनीयस 1766, सकर फिश, इसेनिस न्यूप्रेटस लिनीयस 1758 और थ्रेसर शार्क, ऐलोपियस पेलाजिकस नाकामुरा, 1935, इस क्षेत्र में पकड़ी गई । कोबिया एवं सकर फिश जो बहुत कम ही टूना लाँग लाइनिंग में पकडी जाती है, भी इस क्षेत्र से पकड़ी गई ।

[डॉ. एम. के. सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, चेन्नई द्वारा सूचित]

पी एस ए टी एस से यलोफिन टूना को भा. मा. स. द्वारा टैग करना

जनवरी-अप्रैल 2012 की अवधि के दौरान सर्वेक्षण पोत मत्स्य दृष्टि में भा. मा. स. ने पाँच यलोफिन टूना को टैग किया । टैगिंग के प्रयोग को भारतीय समुद्र में टूना के माईग्रेशन पैर्टन पर सैटेलाईट टेलीमेट्री अध्ययन की परियोजना के तहत किया गया । इंडियन सेंटर फॉर ओशन इनर्फामेशन सर्वेसिस, इनकोइस हैदराबाद के साथ सहयोगात्मक परियोजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में पाई जानेवाली टूना मछली की गतिशीलता को समझना था । पॉप अप सेटेलाईट आर्चिवल टैग, पी एस ए टी एस.एक लगाये जाने वाला टेग है जो बडे आकार के समुद्री स्तनधारीयों की गति को जानने के लिए प्रयोग किया जाता है। ये ऑकडों को प्रत्यक्ष रूप से एकत्रित करके सैटेलाईट के द्वारा प्रसारण करने की सुविधा से लैस

है । इस प्रकार के टैगों की सबसे बडी सुविधा यह है कि इन्हें ऑकडों को प्राप्त करने के लिए अन्य लगाए जाने वाले टैगों की तरह प्रत्यक्ष रूप से नहीं निकालना पड़ता है । प्रवासी तरीके, मौसमी भोजन की गतिशीलता, दैनिक आदतें इत्यादि की सूचना, स्थान, गहराई एवं पर्यावरण के समय के ऑकडें से प्राप्त की जाती है । यलोफिन टूना पर पी एस ए टी एस टैगों को टैग कर, टूना टैगिंग प्रयोगों में अग्रणी संस्थान, भा. मा. स. ने अपनी तकनीकी दक्षता जानकारी के साथ प्रमाणित की है । जहाँ तक भारत की बात है जनवरी 2012 के दौरान किए गए टैगिंग प्रयोग इस तरह के प्रथम प्रयोग थे ।

[श्री कानू चरण साहू, एवं श्री वेंकटेश्वरलू गुरवा, कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता, सैटूना द्वारा सूचित]

।। बहिर्गमन और प्रशिक्षण

क. परम श्रेष्ठ, श्रीमती प्रतिभादेवी सिंह पाटील, माननीय राष्ट्रपति का समुद्रवर्ती विरासत प्रदर्शनी में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के स्टॉल में आगमन

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई ने भारतीय नेवी द्वारा 20 दिसम्बर 2011 से 29 जनवरी 2012 तक मुम्बई में प्रिंस ऑफ वेइल्स म्यूजियम, में आयोजित समुद्रवर्ती विरासत प्रदर्शनी -2011 में भाग लिया। प्रदर्शनी में, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, ने सर्वेक्षण की गतिविधियों से सम्बंधित विभिन्न प्रकारों के चार्ट, सर्वेक्षण बेड़ा के नमूने, मत्स्यन के तरीके, मात्स्यिकी संसाधनों एवं मत्स्य नमूनों का प्रदर्शन किया । 21.12.2011 को परमश्रेष्ठ, श्रीमती प्रतिभादेवी पाटील, माननीय राष्ट्रपति भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के स्टॉल में आई । विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों और कार्यपालकों, विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेज, विद्यालयों के आचार्यो, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों तथा विभिन्न स्थानों के किसानों ने प्रदर्शित की गई सामग्री को देखा । श्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक मा ने भी समुद्रवर्ती विरासत प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में भाग लिया तथा भारत की माननीय राष्ट्रपति को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की गतिविधियों से अवगत कराया।

ख. विज्ञान अद्यतन ।।: वैज्ञानिक प्रणालियों एवं लेखन पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला ।

वैज्ञानिक प्रणालियों एवं लेखन विज्ञान अद्यतन ।। पर 12-15 मार्च 2012 के दौरान भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुम्बई मुख्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम विज्ञान अद्यतन, कोच्ची- जुलाई 2010 के द्वितीय भाग के रूप में आयोजित किया गया । कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों के निष्पादन की गुणवत्ता को सुधारना एवं वैज्ञानिक लेखन के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदान करने के लिये मदद करना था । प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों जैसे वैज्ञानिक पद्धतियाँ, वैज्ञानिक शोधपत्र लेखन, सर्वेक्षण का तरीका एवं मूल्यांकन, ट्रॉल गियर एवं भण्डार मूल्यांकन, ऑकड़े एकत्रित करना एवं मात्स्यिकी सांख्यिकी का विश्लेषण तथा आर पैकेज का आधारभूत को पूरा किया गया । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण से डॉ. विजयकुमारन, श्री पी. शिवराज, डॉ. एनरोज, डॉ. एस. के. नाईक, श्री डी.के. गुलाटी, एवं श्री अशोक एस. कदम, ने प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञताओं को बॉटा । कार्यशाला मुम्बई के प्रबंधन परामर्शदाता श्री एस. एस. रंगनेकर के अचंभित कर देने वाले व्याख्यान 'मैनेजिंग चेंज' परिवर्तन को सभॉलना के साथ सम्पन्न हुई । कार्यशाला से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुख्यालय एवं बेस के 13 प्रतिभागियों को लाभ हुआ ।

ग. बॉबलम हिलसा मात्स्यिकी मूल्यांकन के कार्यदल की बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने 24-25 अप्रैल 2012 के दौरान बॉबलम हिलसा मात्स्यिकी मूल्यांकन के कार्यदल की बैठक आयोजित की । बॉबलम मुख्यालय, थाइलैंड, बांग्लादेश, म्यानमार एवं भारत के प्रतिनिधियों ने कार्यदल की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में डॉ. वी.के. सुरेश, डॉ. डी. पांडा, डॉ. एम. नासकर सेंट्रल इनलैंड फिशरीज रिर्सच इंस्टीट्यूट, बैरकपुर श्री डी.के. गुलाटी एवं श्री एम.के. सजीवन, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने देश का प्रतिनिधित्व किया । बैठक में हिलसा पर समन्वित अनुसंधान की समीक्षा की गई तथा मूल्यांकन में समेकित नमूना को अद्यतन किया गया । हिलसा के ऑकडों को एकत्रित करने की समान पद्धति को विकसित करने के लिए दो दिनों तक विचार विमर्श किया गया । 26 अप्रैल 2012 को एफएसआई, सीआईएफई के वैज्ञानिको तथा म्यानमार से आये प्रतिनिधियों के फायदे के लिए भण्डार मूल्यांकन प्रशिक्षण आयोजित किया गया । डॉ. रिषी शर्मा, परामर्शदाता, बॉबलम, थाइलैंड ने प्रतिभागियों के साथ अपनी निपुणता बाँटी तथा मात्स्यिकी संसाधनों के भण्डार मूल्यांकन पर व्याख्यान दिया ।

अ. भारत में पानी के आइसोटोप फिंगर प्रिंटिंग पर कार्यशाला [आइविन]

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के सहयोग से भारत में पानी की आइसोटोप फिंगर प्रिंटिंग की फील्ड कैम्पेन पर एक कार्यशाला आयोजित की । कार्यशाला 6-7 अगस्त 2012 के दौरान एन आई ओ, गोवा के परिसर में आयोजित की गई । एन आई ओ के वैज्ञानिकों ने आइसोटोप हाइड्रोलाजी की बुनियाद, नमूना एकत्रित करने की पद्धति, राष्ट्र के हाइड्रोलॉजिकल मुददे, आइसोटोप हाइड्रोलॉजी एवं अध्ययन के प्राथमिक परिणामों पर व्याख्यान दिये । आइविन परियोजना, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण एवं एनआईओ की भारत के जल समुद्र की अंतरीक्ष एवं सामयिक फिंगरप्रिंटिंग को समझने की साझा पहल थी। भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के 13 वैज्ञानिकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया ।

ड. रॉयल कॉलेज, मीरा रोड, थाना में प्रदर्शनी में भागीदारी

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय. ने रॉयल कॉलज ऑफ आट्र्स, साईस एवं कॉमर्स, मीरा रोड, थाना के वार्षिक शैक्षिक उत्सव ज्ञान मंथन' में भागीदारी की एवं 28-29 अगस्त 2012 को समुद्री मात्स्यिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया । प्रदर्शनी में फिशिंग गियर के नमूनें, सर्वेक्षण गतिविधियों पर बोट एवं चार्ट, सर्वेक्षण बेडा, मत्स्यन पद्धतियॉ मात्स्यिकी संसाधनों इत्यादि को प्रदर्शित किया गया । इस प्रदर्शनी से विभिन्न कॉलेज एवं स्कूलें के कुल मिलाकर 1000 विद्यार्थियों को लाभ हुआ ।

च. 'तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों' पर क्षेत्रीय कार्यशाला :

भा. मा. स., चेन्नई ने 29 अगस्त 2012 को सेंटर फॉर एडवांसड् स्टडीज इन मैरीन बायोलॉजी, अन्नामलई विश्वविद्यालय, पारंगीटेटई के डॉ. शेषय्या हॉल में कडलूर एवं चिंदम्बरम् जिलों के स्थानीय मछुआरों के फायदे के लिए तामिलनाडु मात्स्यिकी विभाग की मद्द से तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया । कुडलोर एवं चिदम्बरम जिलों तथा विभिन्न मत्स्यन गॉवों एवं कस्बों के मछुआरें, सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज इन मैरीन बॉयोलाजी, अन्नामलई विश्वविद्यालय के मात्स्यिकी अधिकारियों एवं छात्रों ने भागीदारी की । जी. सी. मुनियेथन, आईएएस, मात्स्यिकी आयुक्त, तमिलनाडु ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया । उन्होने अपने उदघाटन के सम्बोधन में मछुआरों को सलाह दी कि वे भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों के अनुभवों से फायदा लें । इस अवसर पर डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक, श्री थिल्लई गोविंदन, संयुक्त निदेशक, तामिलनाडू मात्स्यिकी विभाग, डॉ. अजित कुमार, सहायक प्रोफेसर, सेंटर फोर एडवांस स्टडीज इन मैरीन बॉयोलाजी, अन्नामलई विश्वविद्यालय, श्री विवेकानंदन, सहायक निदेशक, तमिलनाडु मात्स्यिकी कुडुलूर, डॉ. एस.रामचंद्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री नागाराज कुमार, इनकोइस, हैदराबाद, श्री.पी.तमिलरासन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. जे. सी. दास, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने शोधपत्र प्रस्तुत किए ।

छ. पोर्ट ब्लेयर बेस में क्षेत्रीय कार्यशाला :

विस्तार कार्यक्रम के भाग के रूप में, 04 सितम्बर 2012 को पंचायत समिति हॉल, हट बे, लिटिल अंडमान में मात्स्यिकी विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के सहयोग से पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं मत्स्यन की विविधीकृत पध्दतियॉ पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला का उद्देश्य मात्स्यिकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर स्थानीय मछुआरों में, प्रचुर महासागरीय संसाधनों के दोहन के लिये मत्स्यन की विविधीकृत पध्दतियों के साथ-साथ पेचर्स संसाधनों, समुद्र में रहने के दौरान सुरक्षा के लिए, लिए जानेवाले विभिन्न उपाय, एवं उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता, के लिए जागरकता पैदा करना था । कार्यशाला का उद्घाटन श्री एम. जोगा राव, उपप्रमुख, लिटिल अडंमान पंचायत समिति ने किया । इस अवसर पर श्री जनगामईया, प्रधान, हट बे ग्राम पंचायत सम्मानीय अतिथि थे । समारोह की अध्यक्षता श्रीमती नमिता मिस्त्रा, प्रमुख, लिटिल अंडमान पंचायत समिति ने की । डॉ. एल.रामलिंगम,क्षेत्रीय निदेशक ने मुख्य भाषण दिया । श्री धर्मवीर सिंह, सेवा अभियंता डयांत्रिक.ने उपस्थित अतिथियों का

स्वागत किया । 120 मछुआरों एवं पाँच पी आर आई सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया । कार्यशाला के दौरान इस बेस के वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों ने तकनीकी शोधपत्र प्रस्तुत किये । कार्यक्रम का समापन डॉ. ए. बी. कर, कनिष्ठ फिशिंग गियर टेक्नॉलाजिस्ट के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ ।

गंजम जिला, ओडीषा में क्षेत्रीय कार्यशाला :

'भारत के ऊपरी पूर्वी तट में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों' पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन 16 मार्च 2012 को यूथ हॉस्टल, गोपालपुर ऑन सी, गंजम जिला ओडीषा में किया गया । डॉ. एस. के. नाईक, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन. जगन्नाथ, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. अंशुमान दास, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने कार्यक्रम में भाग लिया । कार्यशाला के दौरान लगभग 100 मछुआरों महिलाओं सहित.ने भाग लिया एवं भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापट्टणम द्वारा उनके गाँव में किए गए प्रयास की सराहना की ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, चेन्नई में ओपन हाउस:

विस्तार प्रियाकलाप के भाग के रूप में, चेन्नई बेस द्वारा 27 जनवरी 2012 को शासकीय हाईस्कूल, पल्लावकम चेन्नई में एक दिवसीय ओपन हाउस का आयोजन किया गया । लगभग 1000 अतिथि, जिसमें विद्यार्थी, मछुआरें एवं अन्य शामिल थे, आए एवं इसका फायदा उठाया । डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक एवं अन्य वैज्ञानिकों नेपल्ल्लावकम् में ओपन हाउस के दौरान आगन्तुकों को प्रदर्शित सामग्री एवं भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कार्यपलापों के बारे में जानकारी दी ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, चेन्नई में ओपन हाउस :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, चेननई ने 07 सितम्बर 2012 को कार्यालय परिसर एवं फिशिंग हार्बर, कासीमेड में खडे सर्वेक्षण जलयान मत्स्य दृष्टि एवं एमएफवी समुद्रिका पर एक दिवसीय ओपन हाउस का आयोजन किया । ओपन हाउस का उद्घाटन श्रीमती एस. जयंती, आई ए एस, जिला कलेक्टर ने किया । उन्होनें उद्घाटन के दौरान अपने सम्बोंधन में प्रतिभागियों विशेषकर कॉलेज एवं पॉलीटेक्निक के विद्यार्थियों से उनके कैरियर को आगे बढाने के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करने का अनुरोध किया । डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की वर्तमान स्थिति एवं भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के अनुसंधान प्रियाकलापों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. एस. रामचंद्रन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया ।

।।।.प्रचालन एवं वैज्ञानिक प्रियाकलापों की वार्षिक समीक्षा बैठक [रोसा]:

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई मुख्यालय में सर्वेक्षण पोतों तथा बेसों द्वारा की गई वैज्ञानिक प्रियाकलापों की परिमाणात्मक एवं गुणात्मक निष्पादन की वार्षिक समीक्षा 23-24 फरवरी 2012 के दौरान की गई। डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक ने बैठक की अध्यक्षता की। अध्यक्ष ने अपने प्रारंभिक सम्बोंधन में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की गरिमा को बढ़ाने एवं भारत में समुद्री मात्स्यिकी विकास तथा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका अदा करने के लिए सभी का पूरे मन से सहयोग करने की अपील की । प्रभारी अधिकारी के साथ प्रत्येक बेस से मैकेनिकल/सर्विस इंजीनियर ने उपर्युक्त बैठक में भाग लिया । पोतों की परिणात्मक एवं गुणात्मक निष्पादन की समीक्षा की गई एवं पाया गया कि सब मिलाकर पोतों का कुल निष्पादन अच्छा है । बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बेस स्तर पर सही तरीके से योजना बनाकर प्रस्तावित कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कमी को दूर किया जाए । प्रत्येक बेस के वैज्ञानिकों द्वारा की गई वैज्ञानिक गतिविधियों की समीक्षा की गई एवं वैज्ञानिक अनुसंधान में हुई चूक को दूर करने के आवश्यक तरीकों पर चर्चा की गई । बेसों में कार्य करने वाले वैज्ञानिक, बेस में उपलब्ध जैविक ऑकडों का विश्लेषण करेंगे एवं समकक्ष प्रमुख जर्नलों/भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के प्रकाशनों में प्रकाशित करने के लिए मसौदा शोधपत्र तैयार करेंगें । बेस कार्यालय अपने पास मानसून मात्स्यिकी से सम्बंधित उपलब्ध ऑकडों का विश्लेषण कर, मानसून मात्स्यिकी पर एक विशेष बुलेटिन तैयार करने के लिए मसौदा शोध पत्र मुख्यालय को भेजेगें। बैठक में कार्यक्रम को कार्यान्वयित करने के प्रम में विभिन्न प्रशासकीय पहुलओं एवं लेखा के मुद्दों पर भी चर्चा की गई । बैठक में 2012-13 के लिए मात्स्यिकी सर्वेक्षण कार्यक्रम का मसौदा को अंतिम रूप दिया गया एवं कार्यक्रम को वैज्ञानिक उन्मुख तथा रणनीति प्रबंधन के साथ प्रभावकारी तरीके से कार्यान्वित करने का निर्णय लिया गया।

IV. राजभाषा कार्यान्वयन

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति का आगमन :

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के 15 सदस्य कार्यालयों के साथ हिंदी के उत्तोस्तर प्रयोग पर संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति की 06.01.2012 को होटल ट्राइडेट, बांदा-कुर्ला कॉम्पलेक्स, मुम्बई में चर्चा हुई । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय. मुम्बई उन 15 सदस्य-कार्यालयों में से एक था । श्री प्रेमचंद, उप महानिदेशक मा., श्री एल. के. राव, व. प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक ने चर्चा में भाग लिया । समिति ने प्रत्येक सदस्य-कार्यालय की निरीक्षण प्रश्नावली की समीक्षा की एवं सभी सदस्य-

कार्यालयों के लिए समान कुछ कमियों का उल्लेख इस निर्देश के साथ किया कि इसे दूर किया जाए ।

हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा समारोह :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय. में 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' एवं 14.09.2012 से 28.09.2012 तक 'हिन्दी पखवाडा' मनाया गया । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय में 14.09.2012 को उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया । श्री प्रेमचंद, उप महानिदेशक मा ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का उद्घाटन किया एवं हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय कृषि मंत्री श्री शरद पवार से प्राप्त अपील को पढकर सुनाया । अपील के माध्यम से माननीय मंत्री ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आनेवाले वर्ष में अधिक से अधिक काम हिन्दी में करने का अनुरोध किया । हिन्दी पखवाडा के दौरान हिन्दी निबंध लेखन श्रुतलेख, अंताक्षरी, क्विज, अनुवाद एवं शब्दावली तथा कविता पाठ पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । कई कर्मचारी वर्ग ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में जोश एवं उत्साह के साथ भाग लिया ।

हिन्दी पखवाडा का समापन समारोह 28.09.2012 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय. में आयोजित किया गया। डॉ. के विजयकुमारन, महानिदेशक, जो कि राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष भी है, ने समारोह की अध्यक्षता की । डॉ. के. विजयकुमारन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिन्दी कविता पाठ के सभी प्रतिभागियों की कविता लेखन में उनकी कल्पनाशक्ति एवं रचनात्मकता की प्रशंसा की एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया । इस अवसर पर जी नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रिय अनुवाद ब्यूरों नवी मुम्बई मुख्य अतिथि थे । मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में श्रोताओं को राजभाषा के महत्व के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुआ ।

सभी बेसों द्वारा हिन्दी पखवाडा विभिन्न प्रियाकलापों के साथ मनाया गया । विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे भाषण, नोटिंग एवं ड्राफि-टगं, अनुवाद, कविता पाठ एवं तत्काल भाषण का आयोजन किया गया । समारोह के दौरान कर्मचारी वर्ग के बच्चों ने गीत एवं कविता पाठ किया । डॉ. वी एस एन मूर्ती, प्रभारी-वैज्ञानिक, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, विशाखापट्टणम, डॉ. श्रीमती.ए.जे.बारा, प्राचार्या, केंदीय विद्यालय-1 पोर्ट ब्लेयर, डॉ. सुब्रतो साहा, मेडिकल ऑफीसर, सी जी सी, बैम्बु प-लैट ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रमों की गरिमा बढ़ाई ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई, मुख्यालय द्वारा हिन्दी कार्यशाला का आयोजन :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई, में हिन्दी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई के सहयोग से हिन्दी में काम करने के समय आने वाली दिक्कतों को दूर करने उददेश से 22.03.2012 को अधिकारियों एवं कर्मचारी वर्ग के लिए एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्री महेदकुमार जैन, हिन्दी प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना ने ठमानक देवनागिरी लिपि, वर्तनी एवं व्याकरणठ पर व्याख्यान दिया । कार्यशाला में 15 कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया ।

हिन्दी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई के सहयोग से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुम्बई में 27.06.2012 को 'हिंदी पत्राचार' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । उपर्युक्त विषय पर डॉ. सुनीता यादव, सहायक निदेशक ने व्याख्यान दिया । उन्होंने हिंदी में पत्र तैयार करने के लिए व्यावहरिक प्रशिक्षण दिया । कार्यशाला में 18 कर्मचारियों ने भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय में 18 .09.2012 को मानक हिंदी वर्तनी एवं टिप्पणी एवं मसौदा लेखन पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्रीमती रीता चर्तुर्वेदी, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई ने उपर्युक्त विषय पर व्याख्यान दिया । कार्यशाला में बीस कर्मचारियों ने सप्रियता के साथ भाग लिया । यह प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ही लाभपद थी ।

सभी बेसों में हिंदी कार्यशाला

राजभाषा कार्यान्वयन के भाग के रूप में पोर्टब्लेयर कार्यालय में 24 मार्च 2012 तथा 30 जून 2012 को टिप्पणी एवं मसौदा लेखन पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्री मोहन दास, हिंदी अनुवादक, वन एवं पर्यावरण विभाग, अंडमान एवं निकोबार विदग्ध वक्ता थे । उन्होनें दिन प्रतिदिन के कार्यालय कार्यो में राजभाषा के कार्यान्वयन की महत्वता पर अपने विचार व्यक्त किए । सभी अधिकारी एवं कर्मचारी वर्ग ने कार्यशाला में भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम बेस में 29 जून 2012 को तिमाही हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्रीमती ए. अरणा, हिंदी प्राध्यापक, मुख्य अतिथि थी एवं हिंदी मसौदा लेखन तथा टिप्पणी पर उन्होनें व्याख्यान दिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोचिन बेस में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधित संक्षिप्त रिपोर्ट 1.07.2012 से 30.09.2012 तक 18.09.2012 को अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्रीमती जयश्री पी एस, प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना ने हिन्दी व्याकरण, हिन्दी प्रारप और टिप्पणी लिखने से संबंधित कक्षा चलाई 25 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

14.09.2012 से 28.09.2012 तक हिन्दी पखवाडा मनाई गई । हिन्दी में विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । श्री आर. सी. सिन्हा, निदेशक, सिफनेट ने विजेताओं को समापन समारोह के अवसर पर इनाम दिया गया ।

श्रीमती लीना टी. पी., क. हिन्दी अनुवादक ने 21.09.2012 को भारत पेट्रोलियम में आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन किया ।

अन्य प्रियाकलाप

- श्री के एस. एन. रेड्डी, फिशिंग गियर टेक्नॉलाजिस्ट एवं सुश्री के. भवानी, वरिष्ठ लिपिक ने 6-10 फरवरी 2012 के दौरान हिंदी शिक्षण योजना, स्वर्ण जयंती भवन, विशाखापट्टनम में कंम्प्यूटर पर हिंदी के प्रयोग के लिये बेसिक कोर्स में भाग लिया ।
- श्री एन. जगन्नाथ, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री सनातन दास, वरिष्ठ लेखाकार ने 13-17 फरवरी 2012 के दौरान हिंदी शिक्षण योजना, स्वर्ण जंयती भवन, विशाखापट्नम में कंम्प्यूटर पर हिंदी के प्रयोग के लिये बेसिक कोर्स में भाग लिया ।
- मुम्बई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपप्रम.द्वारा 24 अगस्त 2012 को ओएनजीसी कार्यालय, बांदा पश्चिम, आयोजित हिंदी सम्मेलन में श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक ने भाग लिया ।

V. प्रशिक्षण/सेमीनार/कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकों/सम्मेलनों में भागीदारी

क. अंतर्राष्ट्रीय

- डॉ. एस. रामचंद्रन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 27 एवं 28 मई को कोलम्बों, श्रीलंका में बॉबलम द्वारा भारतीय मैकरल मात्स्यिकी निर्धारण पर कार्यदल की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. ए. एनरोज, क्षेत्रीय निदेशक ने 18 से 20 जून 2012 के दौरान बीओबीपी द्वारा जाफ़ना, श्रीलंका में मन्नार की खाड़ी पारिस्थितिक तंत्र एवं इसके संसाधनों की संपोषणता पर दो देशों की द्वितीय पणधारियों की परामर्श में भाग लिया ।
- डी. के. गुलाटी, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री एम. के. सजीवन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक ने 29-31 अगस्त 2012 के बॉ बलम हिलसा मात्स्यिकी निर्धारण की कार्यदल की बैठक यांगगान, म्यानमार में भाग लिया । श्री एम. के. सजीवन, ने बंगाल की खाड़ी के विस्तृत समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में हिलसा टिन्यूलोसा इलिशा फिशर एवं बियन्ची 1984.की उतराई के आकलन की नमूना रण्नीतियाँ पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया ।

ख. राष्ट्रीय

- डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक ने माननीय कृषि मंत्री द्वारा पशु विज्ञान के एनएआरएस वैज्ञानिको के साथ हुई बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई के क्रम में 18 जनवरी 2012 को कृषि भवन, नई दिल्ली में अंतर विभागीय बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक ने तटरक्षक, इर्स्टन कमांड, चेन्नई द्वारा 22 जनवरी 2012 को आयोजित 'एक दिन के लिये समुद्र में' उत्सव में भाग लिया ।
- सर्वश्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक मा.. डी.के. गुलाटी, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं ए ट्रिबूरशियस, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सीआईएफई, मुम्बई द्वारा 01-02 फरवरी, 2012 के दौरान भारत में उत्तरदायी मात्स्यिकी एवं क्षमता निर्माण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आचार संहिता की जागरकता उत्पन्न करने के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।
- डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक तटरक्षक, ईस्टन कमांड, चेन्नई द्वारा 07 फरवरी 2012 को मछुआरों के लिए आयोजित फिशर मैन मीट एवं बोट रेस में शामिल हुए ।
- डॉ. ए एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक, कड़लर मासिक पत्रिका के 25 वी सिल्वर जुबली समारोह में नागापट्नम में 20 फरवरी 2012 को शामिल हुए एवं तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनो की वर्तमान स्थिति पर एक व्याख्यान दिया ।
- डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक ने पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु द्वारा टूना लॉग लाईनरस के रूप में मैकेनिल फिशिंग बोट के परिवर्तन तथा मोटराइज फिशिंग प्रप-ट्स का परिवर्तन/प्रतिस्थापन द्वारा उन्नयन करने के लिए बनाई गई तकनीकी समिति की बैठक में 22 फरवरी 2012 को मात्स्यिकी आयुक्त, तमिलनाडु, चेन्नई के कार्यालय में भाग लिया ।
- श्री अशोक कदम, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक दूरदर्शन केंद्र, मुम्बई द्वारा 24 फरवरी 2012 को आयोजित आरएसी बैठक में शामिल हुए ।
- डॉ. एस. के. द्विवेदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक 29 फरवरी 2012 को आकाशवाणी केन्द्र मुम्बई में आकाशवाणी की बैठक में शामिल हुए ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई मुख्यालय.में 12-15 मार्च 2012 के दौरान इन हाउस प्रशिक्षण विज्ञान अद्यतन ।। में श्री के. गोविन्दराज वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. रामचंद्न, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री एम के सजीवन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री एस. के. द्विवेदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, सुश्री राजश्री बी संनदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री डी.ई. उईके, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री राजू एल नागपुरे, व. वैज्ञानिक सहायक, श्री सी. बाबू, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री ए. शिवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री जेकब थॉमस, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक,

श्री आर. के. टेलर, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, डॉ ए. बी कर, कनिष्ठ फिशिंग गियर टेक्नॉलाजिस्ट, श्री योगेश गांगुर्डे, डेटा एन्ट्री आपरेटर, श्री सी. भास्कर, प्रोग्रामर शामिल हुए ।

- श्री एम. के सजीवन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक ने 20-30 मार्च 2012 तक सीएमएमडीई, नई दिल्ली में सेंटर फॉर इनवारमेंटल मैनेजमेंट ऑफ डीग्रेडेड इकोसिस्टम द्वारा 'जियोमेट्रिक मार्फोमेट्रिक' पर आयोजित अंर्तराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

- डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक एवं श्री जी. वी. ए. प्रसाद, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक ने 24 मार्च 2012 को वन सदन, हैडो, पोर्ट ब्लेयर में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में समुद्री संरक्षण एवं संसांधनों का प्रबंधन के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण शीर्षक पर कार्यशाला में हिस्सा लिया । श्री जी. वी. ए. प्रसाद, वैज्ञानिक सहायक ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों के आसपास भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया

- डॉ. एस. के. नायक, वरिष्ठ मात्स्यिकी ने एम वी आर डिग्री कॉलेज एवं पीजी कॉलेज, विशाखापट्टणम में 27 अप्रैल 2012 के दौरान 'मात्स्यिकी संसाधनों भविष्य का अवसर पर' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया एवं 'भारत के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों' पर एक व्याख्यान दिया ।

- डॉ. के. विजयाकुमारन, डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक एवं श्री एम के सजीवन ने 21 मई 2012 को पाण्डिचेरी में बाबलम परियोजना के पणधारियों की बैठक में भाग लिया ।

- श्री के. गोविन्दराज, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. रामचन्दन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एस. जी. पटवारी, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. अंशुमान दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जैकब थॉमस, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, डॉ. एस. के. द्विवेदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री डी. ई. उइके, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री राजू एस. नागपूरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री सी. बाबू, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, सुश्री राजश्री बी संनदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री आर. के. टेलर, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, डॉ ए. बी. कर, कनिष्ठ फिशिंग गियर टेक्नॉलॉजिस्ट ने 6-7 अगस्त 2012 को एनआईओ, गोवा में आईसोटोप फिंगर प्रिंटींग प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 17-18 सितंबर 2012 के दौरान 'विश्व व्यापार समझौता एवं भारतीय मात्स्यिकी प्रतिमान-एक नीति दृष्टिकोण' पर आइ सी ए आर निधीकृत अल्पकालीन पाठ्यप्रम में भाग लिया ।

VI. प्रशासनिक समाचार

नियुक्तियाँ

- श्री सुजीत पी. एस को बोसन डसी .के पद पर मामुगॉव बेस में 17 फरवरी 2012 को नियुक्त किया गया ।
- श्री रोहीदास आर. सुरेनजी को बोसन सी.के पद पर मार्मुगॉव बेस में 20 फरवरी 2012 को नियुक्त किया गया
- श्री चंदासेन को 21 फरवरी 2012 के प्रभाव से बोसन प्रमाणित.के पद पर पोर्ट ब्लेयर बेस में नियुक्ति किया गया ।
- डॉ. एस. रामचंद्रन को 24 फरवरी 2012 के प्रभाव से वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक के पद पर चेन्नई बेस में नियुक्ति की गई ।
- डॉ. विनोद कुमार मुदुमाला, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक को 27 फरवरी 2012 के प्रभाव से वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक के पद पर मार्मुगॉव बेस में नियुक्त किया गया ।
- डॉ. सिजो पी. वर्गीस, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक को 27 फरवरी 2012 के प्रभाव से वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक के पद पर कोच्ची बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री संत कुमार को 01 मार्च 2012 के प्रभाव से पोर्ट ब्लेयर बेस में डाटा इन्यूमेरेटर के पद पर नियुक्त किया गया
- श्री कार्तिक ए रामानुजन को वरिष्ठ यॉत्रिक पर्यवेक्षक के पद पर 02 मई 2012 को मार्मुगॉव बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री आर. मुन्नुसामी को मुख्य अभियंता ग्रेड-।। के पद पर 09 मई 2012 अपराह्न.से पोर्ट ब्लेयर बेस में नियुक्त किया गया ।
- डॉ. ए बी कर कनिष्ठ फिशिंग गियर टेक्नॉलाजिस्ट के मात्स्यिकी वैज्ञानिक के पद पर पोर्ट ब्लेयर बेस में 14 सितम्बर 2012 अपराह्न के प्रभाव से नियुक्त किया गया ।

पदोन्नतियाँ

- श्री ए. के. मोहपात्रा, मेट ग्रेड-। को 11 अप्रैल 2012 से मार्मुगॉव बेस में स्किप्पर के पद पर पदोन्नत किया गया ।
- श्री के. पी. विनोजी, मेट ग्रेड-। को 01 मई 2012 के प्रभाव से मार्मुगॉव बेस में स्किप्पर के पद पर पदोन्नत किया गया ।
- डॉ. एस के नाईक, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को 30 मई 2012 से क्षेत्रीय निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया ।
- श्री विशवास, बोसन को 31 अगस्त 2012 को मेट ग्रेड-। के पद पर चेन्नई बेस में पदोन्नत किया गया ।
- श्री जोसेफ के. आई. मुख्य अभियंता ग्रेड-। कोच्ची बेस में को 07 अगस्त 2012 के प्रभाव से मार्मुगॉव बेस में मुख्या अभियंता ग्रेड-। के पद पर पदोन्नत किया गया ।

स्थानांतरण /प्रतिनियुक्तियाँ

- श्री ए. एफ. एस. हमीद, यूडीसी को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण से 31 मार्च 2012 को केंदीय कुष्ठ प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु के लिए कार्यमुक्त किया गया ।
- श्री वी.जे. जॉसेफ, स्किप्पर को 12 अप्रैल 2012 से मार्मुगॉवं बेस से कोच्ची बेस में स्थानांतरण किया गया ।
- श्री गिरिश कुमार, बोसन सी.को 10 जुलाई 2012 से कोच्ची बेस में स्थानांतरण किया गया ।
- श्री जे. जी. ओहोल, वरिष्ठ लेखाकार, पोर्ट ब्लेयर बेस को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय.में 05 मार्च 2012 को स्थानांतरण किया गया ।
- श्री स्टेनली वेलिंगडन, मुख्य अभियंता ग्रेड-।।, पोर्ट ब्लेयर बेस को 08 मई 2012 से विशाखापट्टणम बेस में स्थानांतरित किया गया ।
- जे. एस. मेरी, नेट मेंडर, पोर्ट ब्लेयर बेस को 11 जून 2012 से चेन्नई बेस में स्थानांतरित किया गया ।
- श्री पी. ए. अरण कुमार, बोसन सी.पोर्ट ब्लेयर बेस को कोचीन बेस में स्थानांतरित किया गया ।
- श्री जॉय मूथेडन, मुख्य अभियंता ग्रेड-।, चेन्नई बेस को 9 अगस्त 2012 से मुम्बई बेस में स्थानांतरित किया गया ।
- श्री बी. भूपति, बोसन सी.कोचीन बेस को 13 अगस्त 2012 अपरांह से पोर्ट ब्लेयर में स्थानांतरित किया गया ।

सेवानिवृत्तियाँ

- श्री ए. अरल नेटमेडर, चेन्नई बेस 03 जनवरी 2012 को स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्त हुए ।
- श्रीमती डी रीटा, चपरासी, चेन्नई बेस 31 जनवरी 2012 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुई ।
- श्री नागराजन, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, चेन्नई बेस 29 फरवरी 2012 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री पी. वी. मैथ्यु, स्किप्पर, मार्मुगॉव 29 फरवरी 2012 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री मुथुकृष्णनन, वरिष्ठ लिपिक, चेन्नई बेस 31 मई 2012 को अधिवर्षिता पर सेवा निवृत्त हुए ।
- श्री के. सी. हरिहरन, चपरासी 30 जून 2012 को मार्मुगॉव बेस से अधिवर्षिता पर सेवा निवृत्त हुए ।
- श्री रामकृष्णन, ग्रीसर, चेन्नई बेस 31 अगस्त 2012 को अधिवर्षिता पर सेवा निवृत्त हुए ।
- श्री सी.एस. सेतुमाधवन, स्किप्पर, विशाखापट्टणम बेस 30 सितम्बर 2012 को अधिवर्षिता पर सेवा निवृत्त हुए ।

VII) निधन-सूचना

• डॉ एस. एन. द्विवेदी का निधन

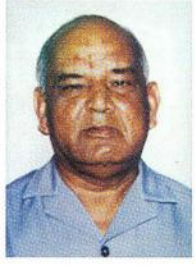

डॉ. एस.एन. द्विवेदी, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के भूतपूर्व निदेशक-प्रभारी का 26 अप्रैल 2012 को हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया । डॉ. एस. एन. द्विवेदी एक महान वैज्ञानिक थे, जिन्होने अपने कैरियर के दौरान निदेशक, सीआईएफई, एवं निदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के रूप में अपनी सेवाएं दी । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, शोकसंत परिवार के दुख में उनके साथ है ।

• श्री वी एस. पाण्डे का निधन

श्री वी. एस. पाण्डे 47, मैकेनिकल मैरीन इंजीनियर, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चीन बेस, कोच्ची में 15 अगस्त 2012 को निधन हो गया। श्री बी एस पाण्डे एक कुशल इंजीनियर थे, उन्होने अपना कैरियर जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से प्रारंभ किया था । उन्होने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज़ पोस्ट हार्ववेस्ट टेक्नोलॉजी एन्ड ट्रेनिंग, कोच्ची भूतपूर्व आईएफपी, कोच्ची में सहायक इंजीनियर इलेक्ट्रॉनिक्स.के रूप में कार्य किया । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मैरीन इंजीनियरिंग डिवीजन के सम्पूर्ण विकास में वे अग्रणी थे । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्ची बेस एवं मुम्बई मुख्यालय में 16 अगस्त 2012 को 11.30 बजे एक शोक सभा का आयोजन किया गया ।

• श्री पांडुरंग का निधन

श्री पांडुरंग रावसाहेब गलगेट (39), चालक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई बेस, मुम्बई का 08 अगस्त 2012 को निधन हो गया । श्री पांडुरंग, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के परिवार के एक अच्छे सहकर्मी थे, उन्होने 16 अगस्त 1995 से इस संस्थान के साथ अपना कैरियर प्रारंभ किया था । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुम्बई बेस में 09 अगस्त 2012 को एक शोक सभा का आयोजन किया गया ।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, संपादक: डॉ. एम के सजीवन, हिन्दी अनुवादक: मीरा वेल्लेन राजीव,
प्रकाशक: श्री प्रेमचंद महानिदेशक: भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी एम रोड, मुम्बई-400 001,
तार: मीना वेबसाईट:htttp:/fsi.gov.in फैक्स: (022) 22702270.दूरभाषा: 22617144/45 मुद्रक: ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाषा 022-22182939/3544